Computer Proficiency Certification Test

Notations :

1.Options shown in green color and with ✔ icon are correct.

2.Options shown in red color and with ✖ icon are incorrect.

Question Paper Name:	INSCRIPT 16th June 2019 Shift 2
Subject Name:	Inscript
Creation Date:	2019-06-16 17:49:17
Duration:	25
Share Answer Key With Delivery Engine:	Yes
Actual Answer Key:	Yes
Calculator:	None
Magnifying Glass Required?:	No
Ruler Required?:	No
Eraser Required?:	No
Scratch Pad Required?:	No
Rough Sketch/Notepad Required?:	No
Protractor Required?:	No
Show Watermark on Console?:	No
Highlighter:	No
Auto Save on Console?:	No

Mock

Group Number :	1
Group Id :	75590598
Group Maximum Duration :	10
Group Minimum Duration :	10
Revisit allowed for view? :	No
Revisit allowed for edit? :	No
Break time:	1
Mandatory Break time:	Yes
Group Marks:	0

Mock

Section Id :	755905166
Section Number :	1
Section type :	Typing Test
Mandatory or Optional:	Mandatory
Number of Questions:	1
Number of Questions to be attempted:	1
Section Marks:	0
Display Number Panel:	Yes
Group All Questions:	No

Sub-Section Number:	1

Sub-Section Id: 755905166
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 1 Question Id : 7559051373 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes
एक बार की बात है, अकबर और बीरबल शिकार पर जा रहे थे। अभी कुछ समय हुआ था कि उन्हें एक हिरण दिखा। जल्दबाजी में तीर निकलते हुए अकबर अपने हाथ पर घाव लगा बैठा। अब हालात कुछ ऐसे थे कि अकबर बहुत दर्द में था और गुस्से में भी।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted
Paragraph Display: Yes
Evaluation Mode: Non Standard
Keyboard Layout: Inscript
Show Details Panel: Yes
Show Error Count: Yes
Highlight Correct or Incorrect Words: Yes
Allow Back Space: Yes
Show Back Space Count: Yes

Actual

Group Number : 2
Group Id : 75590599
Group Maximum Duration : 15
Group Minimum Duration : 15
Revisit allowed for view? : No
Revisit allowed for edit? : No
Break time: 0
Group Marks: 0

Actual

Section Id : 755905167
Section Number : 1
Section type : Typing Test
Mandatory or Optional: Mandatory
Number of Questions: 1
Number of Questions to be attempted: 1
Section Marks: 0
Display Number Panel: Yes
Group All Questions: No

Sub-Section Number: 1
Sub-Section Id: 755905167
Question Shuffling Allowed : No

Question Number : 2 Question Id : 7559051374 Question Type : TYPING TEST Display Question Number : Yes

इस अध्ययन के दौरान सामाख्याली में ११ प्रजातियों के पक्षियों को ४७ कंकाल मिले हैं, जबकि हरपनहल्ली के पास तीन प्रजातियों के सात पक्षी कंकाल पाए गए हैं। पवन, अक्षय ऊर्जा प्रमुख स्त्रोत मानी जाती है। लेकिन, विंड टरबाइन आसपास के क्षेत्रों में पक्षी जीवन के लिए खतरा बनकर उभर रही है। अधययन में पता चला कि विंड टरबाइन ब्लेड से टकराने से पक्षियों की मौत हो रही है। गुजरात के कच्छ में स्थित सामाख्याली और कर्नाटक के हरपनहल्ली और दावणगेरे में विंड टरबाइन संयंत्रों के आसपास पक्षियों की मौतों के कारणों की जांच करने पर शोधकर्ता इस नतीजे पर पहुंचे हैं। चार प्रमुख जैव विविधता क्षेत्रों से घिरा यह क्षेत्र पक्षियों की विविध प्रजातियों का आवास है, जहां सर्दियों में आर्कटिक, युरोप और मध्य एशिया से प्रवासी पक्षी भी आते है। सामाख्याली पाए गए पक्षी कंकालों में से ४३ कंकाल प्रवासी पक्षियों के आगमन के मौसम में मिले हैं। इनमें से अधिकतर कंकाल टरबाइन के २० मीटर के दायरे में पाए गए हैं। टरबाइन से टकराने के कारण कबूतर की प्रजाति ढोर फाख्ता की मौतें सबसे अधिक हूई हैं। हौसिल और कठसारंग जैसे दुर्लभ प्रजाति के पक्षियों के शव भी शोधकर्ताओं को मिले हैं। अध्ययन में शामिल पक्षी विज्ञानी डॉ रमेश कुमार सेल्वाराज के अनुसार आसपास के घास के मैदान चील और बाज जैसे शिकारी पक्षियों की शरणगाह हैं। इस कारण इन पक्षियों के विंड टरबाइन के ब्लेड से टकराने का खतरा बना रहता है। शिकारी पक्षियों की उम्र लंबी होती है और ये बहुत कम अंडे देते हैं, इनकी मौते अधिक होने से इन पक्षी प्रजातियों पर लुप्त होने के संकट में वृद्धि हो सकती है। अध्ययनक्षेत्र पर्णपाती वनों के करीब है, जहां स्थानीय पक्षियों की ११५ प्रजातियां पायी जाती है। वर्ष २०१४-१५ के दौरान यहां विंड टरबाइन क्षेत्रों में नौ चरणों में अध्ययन किया गया। यहां ६० मीटर के दायरे में सात पक्षी कंकाल मिले हैं, जिसमें से चार कंकाल प्रवासी पक्षियों के आगमन के मौसम में पाये गए है। इस अध्ययन से प्रति टरबाइन औसतन ०.५ पक्षियों के मारे जाने का पता चलता है। यह सीमित डेटा हो सकता है क्योंकि पक्षियों के विंड टरबाइन के ब्लेड से टकराने से होने वाली मौतें ४० दिन के अंतराल पर दर्ज की गई हैं। नियमीत निगरानी से पक्षियों की मौतों का डेटा अधिक हो सकता है। वैज्ञानिकों के अनुसार, पक्षियों की नियमित निगरानी और पवन-चक्की लगाते समय पक्षियों के आवास को ध्यान में रखते हुए स्थान का चयन करना इस दिशा में महत्वपूर्ण हो सकता है। ऐसा करने से पक्षियों को विंड टरबाइन के खतरे से बचाया जा सकता है। शोधकर्ताओं में रमेश कुमार सेल्वाराज (बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी, मुंबई) अनूप वी., अरूण पी.आर., राजा जयपाल, और मोहम्मद समसूर अली (सलीम अली पक्षी विज्ञान एवं प्राकृतिक इतिहास केन्द्र, कोयंबतूर) शामिल थे। यह अध्ययन शोध पत्रिका करंट साइंस में प्रकाशित किया गया।

Restricted/ Unrestricted: Unrestricted

Paragraph Display: Yes

Evaluation Mode: Non Standard

Keyboard Layout: Inscript

Show Details Panel: Yes

Show Error Count: Yes

Highlight Correct or Incorrect Words: Yes

Allow Back Space: Yes

Show Back Space Count: Yes